E-CONTENT FOR SEMESTER II

प्रत्यक्षवाद – 2
(POSITIVISM – 2)

BY: SWATI SOURAV
POSTGRADUATE DEARTMENT OF SOCIOLOGY
PATNA UNIVERSITY

प्रारम्भिक प्रत्यक्षवाद (EARLY POSITIVISM)

- वैज्ञानिक क्रांति का एक और परिणाम 17 वीं या 18 वीं शताब्दी के मध्य में ज्ञानोदय था जिसने लोगों को राजनीतिक और सामाजिक विद्वानों के रूप में बदल दिया और समाज के कामकाज पर सवाल उठाना शुरू कर दिया।
- जबकि वैज्ञानिक क्रांति ने भौतिक दुनिया के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया, ज्ञानोदय ने उन तरीकों को खोजने की कोशिश की, जो सरकार और राज्य के संस्थान के कार्यों और उद्देश्यों का पता लगाएंगे।
- सबसे प्रभावशाली प्रबुद्ध विचारक थे थॉमस हॉब्स, जॉन लोके, वोल्टेयर, बैरन डी मोंटेस्क्यू और जीन जैक्स रूसो।
- ज्ञानोदय से पहले विज्ञान, धर्म, कला के बीच का अंतर नगण्य था।
- विज्ञान की व्यापक स्वीकृति और सफलता ने सामाजिक जगत के अध्ययन में वैज्ञानिक पद्धति के समावेश के साथ-साथ सामाजिक जगत के अध्ययन का विकास किया है। इस प्रकार, समाज का विज्ञान विकसित हुआ जिसने मानव समाज और उसके परिवर्तनों पर ध्यान दिया।

To be Cont.

- फ्रांसीसी क्रांति के आने के साथ, समाजशास्त्र का उदय 1838 में अगस्त कोम्टे के प्रबुद्धता (ज्ञानोदय) के विचार से शब्द गढ़ने के साथ हुआ।
- यह उभरते सामाजिक तथ्यों और मानव समाजों में अभूतपूर्व सामाजिक परिवर्तनों के संदर्भ में उनके अर्थ के बारे में बढ़ती चिंताओं के जवाब में समाज के विज्ञान के रूप में विकसित हुआ।
- समाजशास्त्र का जन्म औद्योगिक क्रांति के उद्घाटन और यूरोपीय विस्तार के दौरान यूरोपीय आधुनिकता और यूरोकेंद्रित विश्व प्रणाली के उदय के साथ हुआ।

अगस्त कॉम्टे (August Comte)

- कॉम्टे और सेंट साइमन दोनों ने सोचा कि प्राकृतिक विज्ञान में इस्तेमाल होने वाले वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करके समाज का अध्ययन किया जाना चाहिए।
- कॉम्टे ने शुरू में समाज के अध्ययन के लिए 'सामाजिक भौतिकी' (social physics) शब्द का इस्तेमाल किया था, लेकिन अंत में इसे 'समाजशास्त्र' (sociology) में बदल दिया क्योंकि बेल्जियम के वैज्ञानिक ने 'सरल आँकड़ों' (simple statistics) का वर्णन करने के लिए इसी शब्द का उपयोग किया है।
- उनके अनुसार समाज का अध्ययन प्राकृतिक विज्ञानों की तरह ही किया जाना चाहिए और इस दृष्टिकोण को 'प्रत्यक्षवाद' कहा जाता है।
- प्राकृतिक विज्ञान के समान इसे बनाने की खोज में, समाजशास्त्र ने प्रयोग करने के तरीकों को, तर्कशास्त्रों को, समझने के लिए कानूनों को चुना है जो हमारे सिद्धांतों, परिकल्पनाओं आदि की सफलता को माप सकते हैं।
- पुष्टिकरण या पुष्टि के लिए तरीके महत्वपूर्ण हैं।

To be Cont.

- कॉम्टे चाहते थे कि धर्म को मानवता द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए जहां विज्ञान का उपयोग नैतिक सिद्धांतों पर आने के लिए एक विधि के रूप में किया जाएगा जो समाज और व्यक्तियों के विकास को बढ़ावा देगा।
- अगस्त कॉम्टे द्वारा नए धर्म के रूप में प्रत्यक्षवाद नैतिक सिद्धांतों और विज्ञान पर आधारित एक समाज होगा जो अनिश्चित और अज्ञात के तर्कहीन भय का मुकाबला करेगा।
- रहस्यवाद आलोचनाओं को रास्ता देगा। वास्तव में, प्रत्यक्षवाद के बावजूद, एक और मानवतावादी परंपरा थी जो विज्ञान और व्याख्या की कला के दावों को समेटने की कोशिश कर रही थी।

निष्कर्ष (CONCLUSION)

- एक शिक्षण के रूप में समाजशास्त्र सामाजिक दुनिया का अध्ययन करता है।
- सामाजिक दुनिया में सभी सामाजिक घटनाएं, व्यक्तिगत क्रियाएं, संस्थाएं, सामूहिक व्यवहार, सामाजिक स्थैतिक (आदेश), सामाजिक गतिशीलता और उनसे संबंधित चीजें शामिल हैं।
- प्राकृतिक विज्ञान में जिस विषय वस्तु का अध्ययन किया जा रहा है उस पर ध्यान रखा जाना चाहिए।
- प्राकृतिक विज्ञान में जिन वस्तुओं का अध्ययन किया जा रहा है, वे आंतरिक अर्थ से रहित हैं, जब हम समाज और मानव का अध्ययन करते हैं, तो किसी भी व्यक्ति की सतह पर दिखाई देने वाली प्रतिक्रियाएं आवश्यक रूप से प्रेरणा के अपने आंतरिक उद्देश्य के साथ मेल नहीं खाती हैं, जो निरीक्षण करना और समझना मुश्किल है।
- इसलिए अभिनेता का व्यक्तिपरक अर्थ कुछ ऐसा नहीं है जो सतह पर दिखाई देता है, बल्कि उस दृश्य से छिपा हुआ है जिसे उकेरना है।
- चूंकि तथ्य उसी व्यक्ति द्वारा देखे जाते हैं, वे खुद के लिए नहीं बोलते हैं, लेकिन, इस बात पर निर्भर हैं कि हम एक तथ्य के रूप में क्या चुनते हैं और फिर वे इसका वर्णन करते हैं।
- अपने पुस्तक 'पैटर्न्स ऑफ़ कल्चर' में बेनेडिक्ट रुथ का विचार था कि किसी व्यक्ति की तत्काल संस्कृति एक लेंस की तरह होती है जिसके माध्यम से वह सामाजिक दुनिया के अर्थ को पकड़ता है। इसलिए हम जो बनते हैं, वह वास्तव में समाज का भंडार है, जहां हम बसते हैं।
- इसलिए विज्ञान अज्ञात की प्यास बुझाने के परिणामस्वरूप प्रमुखता से सामने आया जहां विज्ञान किसी व्यक्ति को समाज के कामकाज को खोजने और समझने के लिए जागरूकता, धारणा और साधनों से लैस कर सकता है।

धन्यवाद